

22.09.2022

अगिलेरेव विपत्तापित्र। प्रथम पक्ष अनुपस्थित।
द्वितीय पक्ष उपस्थित। वाद में प्रथम पक्ष ही मृत्यु
हो गया है। प्रथम पक्ष के विद्वान अधिवक्ता को
निर्देश दिया गया था कि प्रथम पक्ष के उन्नाधिकारी
के आवेदन के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र, पारिवारिक सदस्य
प्रमाण कारखाना करे। परन्तु प्रथम पक्ष के विद्वान
अधिवक्ता कारखाना करने में असमर्थ रहे। और
होता है कि विवादित शरीर को लेकर शीति मंगली
की क्षमापना नहीं है। अतः वाद ही कारवाई समाप्त
की जाती है।

22/09
अनुपस्थित
सुध